पेज- 11

शिव आमंत्रण

आध्यात्म की नई उड़ान...

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

पेज-12

वर्ष: 6, अंक: 05 | RNI: RJHIN/2013/53539 | सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक), 2018, मई, सिरोही, पृष्ठ: 12, मूल्य : 7.50 रुपए

पेज- 02 अब बिना बायपास सर्जरी...

पेज- 03 फसलों को राजयोग से...

पेज- 04 लोगों को दर्द में देख निःशुल्क...

पेज- 08 एकाग्रता की शक्ति से जैसा...

पेज- 07 सभी शास्त्रों का सार है खुद को..

पेज- 11 रोजाना मेडिटेशन, आहार और पर्याप्त.

ब्रह्माकुमारी संस्थान की पहल लाई रंग: भारत सरकार ने किया यौगिक खेती का समर्थन

शाश्वत यौगिक खेती बढ़ाने के लिए सरकार की अनूठी योजना, किसानों को अनुदान देने का प्रस्ताव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजट में यौगिक- गौ खेती के लिए 360 करोड़ जारी किए, ब्रह्माकुमारीज़ 15 वर्षों से कर रही है यौगिक खेती पर शोध

शिव आमंत्रण ■ नई दिल्ली

ब्रह्माकुमारीज संस्था के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा पिछले 11 वर्षों से लगातार यौगिक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी आवाज प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंची और अब मोदी सरकार ने शाश्वत यौगिक खेती का समर्थन किया है। इसे बढ़ावा देने के लिए अद्भुत योजना बनाई है। इसके तहत अब सरकार यौगिक खेती करने वाले किसानों को आर्थिक मदद के तौर पर तीन वर्ष में 48 हजार रुपए की अनुदान राशि प्रदान करेगी। सरकार ने इस योजना के तहत वर्ष 2018-19 के लिए 360 करोड़ रुपए बजट का प्रावधान किया है।

जैविक खेती को प्रोत्साहन देने वाली केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पर परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के लिए नई गाइडलाइंस जारी की गई है। इसके तहत ऐसे किसानों को नकद प्रोत्साहन दिया जाएगा जो यौगिक खेती, गौ माता खेती या ऋषि खेती करेंगे। किसानों को अनुदान के रूप में तीन वर्ष में 48,700 रुपए दिए जाएंगे। पहले साल 17 हजार, दूसरे साल 15 हजार और तीसरे साल 16100 रुपए दिए जाएंगे। ये राशि सीधे किसानों के खाते में जमा की जाएगी। इसके तहत फंड राज्य सरकार को दिया जाएगा और राज्य सरकार पॉलिसी गाइडलाइंस को परिभाषित कर सकती है।

राष्ट्रीय कृषि मेला दिल्ली में लगाए गए स्टाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहुंचकर ली यौगिक खेती की जानकारी।

गौरतलब है दिल्ली के पूसा में आयोजित कृषि विकास मेले में ब्रह्माकुमारीज संस्था के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा यौगिक खेती का विशाल स्टॉल लगाया गया था। इसमें यौगिक खेती से उपजे अनाज को भी दर्शाया गया था। जिसका खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अवलोकन किया। उन्होंने जैविक खेती के साथ यौगिक खेती को बढ़ावा देने के लिए आश्वासन दिया था।

इनकी खेती पर मिलेगा अनुदान

भारत सरकार की नई गाइड लाइंस के मुताबिक जो किसान खेती के परंपरागत तरीकों जैसे यौगिक खेती, गौ माता खेती, वैदिक खेती, वैष्णव खेती, अहिंसा खेती, परंपरागत खेती, शिव योग कृषि, टिक्का खेती, बायो खेती और ऋषि कृषि को अपनाएंगे उन्हें यह वित्तीय मदद मिलेगी। जो किसान जैविक या जीरो बजट प्राकृतिक खेती कर रहे हैं, ये सहायता उनसे इतर है।

ऐसे करते हैं 'यौगिक खेती'...

ब्रह्माकुमारी संस्थान के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा किसान भाइयों को 'शाश्वत यौगिक खेती' का प्रशिक्षण देकर सिखाया जाता है कि कैसे हम अपने श्रेष्ठ संकल्पों का राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से इसका प्रयोग फसल के उत्पादन बढ़ाने में कर सकते हैं। परमात्मा से मन-बुद्धि जोड़कर फसलों को शुभ वायब्रेशन देते हैं। इसी तरह गौ माता खेती में गाय के गोबर और गौ मूत्र का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही जैविक खाद का भी प्रयोग किया जाता है। इससे उपज पौष्टिक और शक्तिशाली होती हैं। **विस्तृत पेज 03 पर**

वैल्यु एजुकेशन का पायलट प्रोजेक्ट लांच.... ये प्रयोग सफल होने पर पूरे देश में करेंगे लागू

केंद्रीय विद्यालय संगठन ने ब्रह्माकुमारी संस्थान को सौंपी जिम्मेदारी, शिक्षकों को पढ़ाया जाएगा मूल्यों का पाठ

शिव आमंत्रण ■ गुरुग्राम

उत्तर भारत के केन्द्रीय विद्यालयों के सभी प्राचार्यों एवं शिक्षकों को ब्रह्माकुमारीज संस्थान मूल्यों का पाठ पढ़ाएगा। इसका एलान केंद्रीय विद्यालय संगठन ने किया है। इस प्रशिक्षण गुड़गांव के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इसमें केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक एवं प्राचार्य शामिल होंगे। इसे प्रयोग के तौर पर उत्तर भारत के केंद्रीय विद्यालयों में शुरू किया जा रहा है। इसके बेहतर परिणाम मिलने पर इसे पूरे देश के केन्द्रीय विद्यालयों में लागू कर दिया जाएगा।

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

शिक्षक प्रशिक्षण के बाद बच्चों को देंगे शिक्षा... वर्तमान समय में समाज के साथ शिक्षा और बच्चों में तेजी से नैतिक मूल्यों, संस्कारों का पतन हो रहा है, जो सभी के लिए चिंता का विषय बन गया है। इसी को देखते हुए भारत सरकार ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर केंद्रीय विद्यालयों में मूल्य शिक्षा की शुरुआत की। इसके तहत शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वह बच्चों को मूल्य शिक्षा दे सकें। इसका पहला प्रशिक्षण गुड़गांव के ओआरसी में होगा। इसके बाद अन्य स्थानों पर आयोजित किया जाएगा।

गौरतलब है कि वर्ष 2010 में भी मानव संसाधन विकसा मंत्रालय और केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्थान को यह जिम्मेदारी दी थी लेकिन किन्हीं कारणों से यह परवान नहीं चढ़ सका। परन्तु केंद्रीय विद्यालय के इस कदम से शिक्षा में एक नई नीति आएगी ऐसा विश्वास है।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा ग्लोबल आई अस्पताल

जापान ने दिया 76 हजार डालर का अनुदान

शिव आमंत्रण, आबू रोड। जापान की सरकार ने ब्रह्माकुमारी संस्थान के ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को आंखों के उपचार में उपयोग होने वाले आधुनिक उपकरणों को खरीदने के लिए 7.8 मिलियन येन (करीब 76,000 डॉलर) का अनुदान दिया है। ताकि गरीब मरीजों का उपचार हो सके। ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चिकित्सा निदेशक और ट्रस्टी डॉ. प्रताप मिड्डा ने नई दिल्ली में जापान दूतावास में राजदूत केन्जी हिरामात्सू से यह राशि प्राप्त की। राजदूत हिरामात्सू ने कहा यह अनुदान परियोजना लोगों की जिंदगी में सुधार लाने के लिए उपयोगी साबित होगा। साथ ही जापान-भारत के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध मजबूत बनाने में मदद करेगा। इससे ऑपरेटिंग माइक्रोकॉस्को, पैरामीटर, टोनोमीटर और एनेस्थेसिया वर्कस्टेशन खरीदे जाएंगे।

सहयोग राशि हस्तांतर करते अतिथि।